वर्ष 2012–13 के दौरान राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की द्वारा किए गए हिंदी कार्यों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी समस्त आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। संस्थान संघ की राजभाषा नीति के व्यापक प्रचार–प्रसार तथा सार्थक कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इस उद्देश्यों की पूर्ति के सिलसिले में संस्थान रोजमर्रा के सामान्य काम–काज के साथ–साथ तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में भी राजभाषा हिंदी को समुचित बढ़ावा दे रहा है। संस्थान में 80 प्रतिशत से भी अधिक पदाधिकारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। इसलिए उसे भारत सरकार द्वारा राजभाषा नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। संस्थान राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष अपना एक कार्यक्रम तैयार करता है जिसे पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों के आयोजन द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ावा देने के पूरे प्रयास किए जाते हैं। राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति अधिकारियों और कर्मचारियों के मन में एक सार्थक सोच विकसित हो और इस दिशा में उनकी रूचि बढ़े, इसके लिए राजभाषा विभाग तथा जल संसाधन मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार अधिकारियों के लिए "सर्वाधिक हिंदी डिक्टेशन" तथा कर्मचारियों के लिए "सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिंदी में करने संबंधी" प्रोत्साहन योजनाएं लागू की गई हैं।

संस्थान में हो रहे हिंदी कार्यों का जायजा लेने के उद्देश्य से विभिन्न प्रभागों एवं अनुभागों तथा क्षेत्रीय केंद्रों का समय–समय पर राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया जाता है। इस क्रम में हाल ही में संस्थान के 6 प्रभागों तथा 15 अनुभागों का निरीक्षण किया गया तथा राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में पाई गई कमियों को दूर करने के उपाय सुझाए गए।

संस्थान में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का समुचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके तहत संस्थान परिसर में लगे सभी साइन बोर्डों एवं नाम पट्टों को द्विभाषी रूप में बनवाया गया है। रबड़ की माहरें, रजिस्टर, फाइल शीर्ष तथा मानक फॉर्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं तथा इन्हें प्रयोग में लाया जा रहा है।

वर्ष 2012–2013 के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग, प्रचार–प्रसार व विकास में अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्थान में अनेक गतिविधियां आयोजित की गई। इन गतिविधियों में से कुछ प्रमुख एवं महत्वपूर्ण गतिविधियां इस प्रकार हैं :–

★ संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 53वीं तथा 54वीं बैठकें क्रमशः 27 दिसम्बर, 2012 तथा 28 मार्च, 2013 को आयोजित की गई। इन बैठकों में हिंदी कार्यों की समीक्षा के साथ–साथ सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने संबंधी उपायों पर विचार–विर्मश किया गया।

★ नराकास हरिद्वार की सदस्य संस्था होने के नाते संस्थान नराकास की समस्त गतिविधियों में अपनी नियमित प्रतिभागिता सुनिश्चित करता है। संस्थान ने नराकास हरिद्वार की जिन प्रमुख गतिविधियों में प्रतिभाग किया अथवा सहयोग दिया उनमें से कुछ इस प्रकार हैं :–

(क). दिनांक 07 अगस्त, 2012 को आयोजित 14वीं अर्धवार्षिक बैठक में संस्थान की ओर से चार सदस्यों ने प्रतिभाग किया तथा छमाही के दौरान किए गए कार्यों की समीक्षा पर हुए विचार–विमर्श में भाग लिया।

(ख). नराकास हरिद्वार के सदस्य संगठनों के लिए दिनांक 04 जनवरी, 2013 को राज.सं., ने "पत्र–परिपत्र एवं टिप्पण लेखन" प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें 29 प्रतिभागी शामिल हुए।

(ग). दिनांक 23 जनवरी, 2013 को नराकास हरिद्वार की 15वीं अर्धवार्षिक बैठक तथा पुरस्कार वितरण समारोह में कार्यालय प्रमुख सहित चार सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

(घ). दिनांक 18 मार्च, 2013 को आई.आई.टी., रूड़की में आयोजित राजभाषा समन्वयकर्ता सम्मेलन में राजभाषा से जुड़े तीन कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया तथा नराकास द्वारा दिए गए प्रशिक्षण एवं जानकारी का लाभ उठाया।

★ वर्ष 2012–13 के दौरान संस्थान ने निम्नलिखित पत्रिकाओं का प्रकाशन किया :–

(क). संस्थान की वार्षिक हिंदी पत्रिका **"प्रवाहिनी"** का 19वां अंक जिसका विमोचन 14 सितंबर, 2012 को "हिंदी दिवस" के अवसर पर किया गया।

(ख). संस्थान की तकनीकी पत्रिका (अर्धवार्षिक) **"जल चेतना"** के दो संस्करण (जुलाई 2012 तथा जनवरी 2013) प्रकाशित किए गए।

★ हर वर्ष की तरह वर्ष 2012 में भी संस्थान में दिनांक 16 अगस्त से 14 सितंबर 2012 तक हिंदी मास मनाया गया। इस दौरान हिंदी की निबंध, नोटिंग/ड्राफ्टिंग, काव्य–पाठ, हिंदी टंकण, वाद–विवाद, तथा राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। विजेयता प्रतिभागियों को "हिंदी दिवस" समारोह में नकद पुरस्कार तथा प्रमाण–पत्र प्रदान दिए गए।

★ अधिकारियों/कर्मचारियों को राजभाषा संबंधी नियमों–अधिनियमों की जानकारी देने तथा हिंदी के प्रयोग के प्रति उनके मन में पनपी झिझक को दूर करने के उद्देश्य से संस्थान प्रायः हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन करता है। इसी क्रम में संस्थान में दिनांक 24 अगस्त, 2012 तथा 19 मार्च 2013 को दो कार्यशालाएं निम्न विषयों पर आयोजित की गई, जिनमें कुल 86 कर्मचारियों ने भाग लिया।

(क). "राजभाषा हिंदी का प्रशासनिक कार्यों में प्रयोग एवं कठिनाइयां"

(ख). "भारत सरकार की राजभाषा नीति"

★ संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट (वर्ष 2011–12) का हिंदी रूपांतरण कर इसे अंग्रेजी संस्करण के साथ–साथ प्रकाशित किया गया।

★ संस्थान अपने राजभाषा कर्मियों के ज्ञान और कौशल को बेहतर बनाने तथा उन्हें राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में हो रहे नित–नए क्रिया–कलापों से अवगत कराने के दृष्टिकोण से विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रशिक्षण एवं प्रतिभाग हेतु नामित करता है। इसी क्रम में संस्थान ने –

(i). राष्ट्रभाषा स्वाभिमान न्यास, गाजियाबाद द्वारा 27 अप्रैल, 2012 को नई दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय राष्ट्रभाषा सम्मेलन में वरिष्ठ हिंदी अनुवादक को नामित किया। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान को उत्कृष्ट हिंदी कार्यों के लिए "राजभाषा प्रेरक सम्मान" भी प्रदान किया गया।

(ii). निरकेयर, नई दिल्ली द्वारा "वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा चेतना जगाने में संचार माध्यमों की भूमिका" विषय पर दिनांक 29–30 मई 2012 को आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय

सम्मेलन में श्री पी.के. उनियाल तथा श्री पवन कुमार को प्रतिभाग कर लाभार्जन हेतु नामित किया।

★ संस्थान के छः कर्मचारियों को वर्ष 2011–12 के दौरान हिंदी में सर्वाधिक हिंदी कार्य करने के लिए पुरस्कृत किया गया। ये पुरस्कार "सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिंदी में करने संबंधी" प्रोत्साहन योजना के तहत प्रदान किए गए।

★ ग्रामीण महिलाओं एवं स्कूली बच्चों को "जल एवं जल संरक्षण" विषय पर जानकारी देने हेतु संस्थान ने दिनांक 19 नवंबर, 2012 को ग्राम–हकीमपुर तुर्रा (भगवानपुर ब्लॉक) में एक कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला की सम्पूर्ण कार्यवाही हिंदी में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में 50 महिलाओं तथा 65 स्कूली बच्चों ने प्रतिभाग किया।